Regarding issues faced by weavers of weaving industry in Sant Kabir district of Uttar Pradesh

श्री लक्ष्मीकान्त पप्पू निषाद **(**संत कबीर नगर**) :** माननीय सभापति महोदया, मैं संत कबीर जनपद से आता हूं । मैं आपका ध्यान एक अति-महत्वपूर्ण विषय की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं । औद्योगिक शिल्प उद्योग, बुनकर उद्योग की ओर मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं । ये स्वदेशी उद्योग खंडहर बन चुके हैं और हजारों कारीगर भुखमरी की कगार पर हैं ।

माननीय सभापति महोदया, वर्ष 1977 में स्थापित मगहर स्पिनिंग मिल पिछले 27 वर्षों से बंद है, जहां कभी डेढ हजार कर्मचारी कार्यरत थे और हजारों परिवारों का भरण-पोषण होता था । मेरे जनपद में जिस लद्यु उद्योग को पीतल की नगरी और बखीरा बाजार कहा जाता था, आज वहां के सारे उद्योग पूरी तरह बंद कर दिए गए हैं । वहां के कारीगर भुखमरी के कगार पर हैं ।

सभापति महोदया, हमारा जनपद बुनकर बाहुल्य है, जहां बुनकरों द्वारा कपड़ा बुनाई का काम होता है । वहां उनको फ्लैट-रेट पर जो बिजली मिलती थी, वह खत्म कर दी गई है ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि बुनकरों को फ्लैट-रेट पर बिजली दी जाए और उनके द्वारा जो कपड़े बुने जाते हैं, उन्हें रेलवे में चादर के रूप में सप्लाई किया जाए । ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** माननीय सदस्य, श्री गुरमीत सिंह मीत हायेर जी ।

? (व्यवधान)